

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	121302304 / D-303
Name of the Paper	:	सिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त) Siddhantakaumudi (Tinanta)
Name of the Course	:	M.A. (Sanskrit), EC
Scheme	:	LOCF/Old Course
Semester	:	III
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	70

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।
3. कुल चार प्रश्नों को किसी भी सादे पेपर पर 3 घण्टे में पूर्ण करना है। सभी प्रश्नों को पूरा करने के बाद स्कैन करके एकल पीडीएफ बनाकर प्रदत्त पोर्टल पर अपलोड करना है।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.
 3. The 4 questions to be completed in 3 hours on plain sheets. Then after sheets need to be scanned and make single pdf the uploaded on specific portal.
1. तिङन्तरूपों की सिद्धि प्रक्रिया में विहित विकरण प्रत्ययों को ससूत्र सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Elaborate quoting the relevant Sūtras and examples of various types of Vikaraṇa pratyayas of Tiṅanta.
 2. अङ्ग"संज्ञा को स्पष्ट करते हुए तिङन्तरूपों में तदाश्रित कार्यों का सोदाहरण विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
Defining "aṅga"saṃjñā give an account of several applications based upon it in the Tiṅanta forms.
 3. "क्रादिनियम" का ससूत्र तथा सोदाहरण विस्तृत विवेचन कीजिए।
Describe Krādinīyama with related sūtra and suitable examples.
 4. सार्वधातुक तथा आर्धधातुक संज्ञाओं को स्पष्ट करते हुए तिङन्तरूपों में तदाश्रित कार्यों का उल्लेख कीजिए।
Discussing the nature of sārva dhātuka and ārdhadhātuka saṃjñā give an account of several functions based upon these two in the tiṅanta derivations.
 5. सिद्धान्तकौमुदी में विहित आत्मनेपद-विधान का ससूत्र विश्लेषण कीजिए।
Give an account of ātmanepada with the relevant sutras as per siddhāntakaumudī.
 6. विविध कालों, अर्थों और भावों में विहित लट् लकार के प्रयोगों को सूत्रोल्लेख पूर्वक सोदाहरण स्पष्ट कीजिए
Give a detailed account of use of laṭ lakāra in various tenses, moods and situations mentioning the relevant sūtras.